7

दी नेक्स्ट पोस्ट
साप्ताहिक

3 सीएम योगी बोले- पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे

5 दरवाजे से बच्चे को खींच ले गए थे कुत्ते...

8 सीरीज में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन से शतक तक

UPHIN51019 | वर्ष: 03, अंक: 03 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 14 जुलाई,2025

पीएम मोदी ने 51,000 बांटे नियुक्ति पत्र

बोले- बिना पर्ची, बिना खची हो रही भर्ती

युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को अहम करने के लिए देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए 51 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से युवाओं को भी संबोधित किया।

नई दिल्ली,एजेंसी । देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'।

देश की विकास रफ्तार तेज करेंगे ये युवा– पीएम मोदी

युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग–अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे।

उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे।

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान– पीएम मदी

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग–अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है– देश की सेवा।

बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

रोजगार मेले के आयोजन का लक्ष्य

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है।

इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

बीआरडी मेडिकल कालेज के हास्टल में जूनियर डाक्टर ने की खुदकुशी पीजी का छात्र था मृतक

गोरखपुर,संवाददाता। एनेस्थीसिया विभाग में डॉ. अभीशू पीजी का छात्र था। वह मूलरूप से केरल का रहने वाला था। तीन महीने पहले ही उसी शादी हुई थी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की सुबह एक जूनियर डॉक्टर का शव हॉस्टल के कमरे में मिला। आशंका जताई जा रही है कि उसने इंजेक्शन लगाकर खुदकुशी की है। गुलरिहा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के मुताबिक, एनेस्थीसिया विभाग में डॉ. अभीशू पीजी का छात्र था। वह मूलरूप से केरल का रहने वाला था। तीन महीने पहले ही उसी शादी हुई थी। शुक्रवार की सुबह हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर के रूम नंबर 25 में उसका शव मिला।

विमान दुर्घटनाग्रस्त का पता चला

पायलट ने पूछा– ईंधन स्विच क्यों बंद किया? दूसरे का जवाब– नहीं किया

एअर इंडिया बी787-8 क्रैश से पहले पायलटों ने क्या कहा?
तुमने ईंधन क्यों बंद किया?
कैप्टन सुमित सभरवाल
मैंने नहीं किया।
क्लाइव कुंदर
सहायक पायलट

एअर इंडिया को अमेरिकी एजेंसी (FAA) से मिली थी सलाह

बोइंग विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच का लॉकिंग फीचर कभी भी हो सकता है निष्क्रिय
फ्यूल कंट्रोल स्विच

नई दिल्ली,एजेंसी। एअर इंडिया की उड़ान एआई–171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच बंद हो गए थे और इसके बाद पायलटों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई, जिसके कुछ ही सेकंड बाद विमान अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून को एअर इंडिया का बोइंग 787–8 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक व्यक्ति जीवित बचा था। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा शनिवार को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट में कई अहम खुलासे किए हैं। रिपोर्ट में हादसे की वजह इंजनों के ईंधन का कट ऑफ होना बताया गया है। हालांकि रिपोर्ट में बोइंग 787–8 विमान के संचालकों के लिए अभी कोई कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है।

दिल्ली के सीलमपुर में तीन मंजिला इमारत ढही

दिल्ली के सीलमपुर में एक बड़ी दुर्घटना हुई। ईदगाह जनता कॉलोनी में हादसा इमारत ढह गई जिसमें 7 लोग दब गए। उसमें से तीन लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम राहत–बचाव कार्य में जुटी है। फायर बिग्रेड की 7 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं।

उत्तरी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर में बड़ा हादसा हुआ। ईदगाह जनता कॉलोनी में तीन मंजिला इमारत ढहने से बड़ा हादसा हो गया। जिसमें कुल 7 लोगों के दब गए। राहत–बचाव टीन ने उसमें से तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया है और बचाव कार्य के लिए दमकल की 7 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक यह जनता मजदूर कॉलोनी है। यह मकान अवैध रूप से बना था। जनता कॉलोनी में बने मकानों में स्पोट के लिए लोहे के पिलर लगे हुए हैं। मकान मालिक समेत उनके परिवार के करीब पांच लोग दबे हैं।

बता दें गली बहुत संकरी है। करीब ढाई फुट चौड़ी गली है। कोई भी मशीन अंदर नहीं जा पा रही है। बता दें 30 गज का मकान था। जो तीन मंजिला बना हुआ था। यह झुग्गी क्षेत्र है। मकान मतलूब नाम के व्यक्ति का है। मकान गिरने से पड़ोस के तीन मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

'कैमरा लुक अच्छा था पिता भी खुश थे...

गुरुग्राम में नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की उसके पिता द्वारा गोली मारकर हत्या करने से लोग हैरान हैं। राधिका के साथ वीडियो में दिखने वाले शख्स इनामुल ने बताया कि वह राधिका के ज्यादा टच में नहीं थे। पुलिस के अनुसार पिता ने बेटी की कमाई खाने के तानों से परेशान होकर हत्या की लेकिन यह कहानी गले नहीं उतर रही।

गुरुग्राम,एजेंसी। सेक्टर 57 में नेशनल लेवल की टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की उसके ही पिता द्वारा गोलियां मारकर हत्या करने की वारदात से शहर के लोग हैरान हैं। लोगों के मन में एक ही सवाल कौंध रहा है कि क्या वाकई पिता ने समाज के तानों से परेशान होकर बेटी की जान ले ली या कारण कुछ और है। अब राधिका के साथ इंटरनेट पर वायरल वीडियो में दिखने वाले शख्स ने बड़ा खुलासा किया है।

मैं राधिका के ज्यादा टच में नहीं था: इनामुल

इस बीच कुछ मीडिया चैनलों ने उस कलाकार से बात की, जिनके साथ राधिका एक वीडियो में नजर आई थीं। उनका नाम इनामुल है। इनामुल ने कहा कि वह मुंबई में रहते हैं। वह राधिका से ज्यादा टच में नहीं थे। इनका कैमरा लुक अच्छा था। वह वीडियो शूट के दौरान अपनी मां के साथ सेट पर आई थीं। कारवां वीडियो उनके पिता को काफी पसंद आया था। ऐसा राधिका ने उन्हें बताया था।

60 फीट ऊंची टंकी से कूदकर महिला ने दी जान

कानपुर,संवाददाता। पति के वियोग में एक महिला 60 फीट ऊंची पानी की टंकी से कूद गई। दोपहर को अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों के मुताबिक दो माह पहले पति की मौत होने के बाद से अवसाद में रहती थी। यूपी के कानपुर जिले से झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पति के वियोग में महिला 60 फीट ऊंची पानी की टंकी में चढ़ गई।

महिला को टंकी पर चढ़ा देख नीचे लोगों की भीड़ लग गई। महिला को बचाने के बजाय लोग मोबाइल से वीडियो बनाने में व्यस्त रहे। कुछ ही देर में महिला ने छलांग लगा दी। घायल अस्पताल में महिला को अस्पताल ले जाया गया।

सम्पादकीय

भारत को नीचा दिखाने में लगी अघोषित शक्तियां

भारत के संविधान को दुनिया के श्रेष्ठ संविधानों में से एक माना जाता है और भारतविरोधी शक्तियां इसी बात से परेशान भी रहीं कि आजादी के बाद भारत निर्माताओं ने ये कितना मजबूत हथियार जनता के हाथ में दे दिया है ठल – सर्वमित्रा सुरजन 9 श्रनसल 2025 3:26 च्ड – सर्वमित्रा सुरजन भारत के संविधान को दुनिया के श्रेष्ठ संविधानों में से एक माना जाता है और भारतविरोधी शक्तियां इसी बात से परेशान भी रहीं कि आजादी के बाद भारत निर्माताओं ने ये कितना मजबूत हथियार जनता के हाथ में दे दिया है। अब अगर इस संविधान को खत्म करने या बदलने की बात कही जाती है, तो इसके पीछे असल में भारत को खत्म करने की मंशा होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिन छिपे उद्देश्यों के साथ इस कुर्सी पर बिठाने की मुहिम 21वीं सदी के शुरुआती दशक में की गई थी, वो सारे उद्देश्य अब लगभग पूरे होते दिख रहे हैं। संवैधानिक मर्यादा, लोकतांत्रिक तकाजे, समानता, सौहार्द्र, भाईचारे के ख्वाब सब तार–तार होते दिख रहे हैं। भारत को नीचा दिखाने की कोशिश में लगी दुष्ट ताकतें यही तो चाहती थीं। वृद्धि करने की आवश्यकता देश के भीतर और देश के बाहर दोनों जगह काम कर रही ऐसी शक्तियां चाहती थीं कि भारत अब तक अपने जिन मूल्यों और सिद्धांतों की बुनियाद पर मजबूती से खड़ा हुआ है, उन्हें किसी भी तरह लोगों से दूर किया जाए। इन शक्तियों को सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात से ही थी कि 1947 में आजाद हुए भारत ने किस तरह खुद को न केवल अपने पैरों पर खड़ा कर लिया बल्कि दुनिया में बाकी प्रगतिशील देशों की अपेक्षा उसकी धाक भी अलग जमी। नेहरूजी के पंचशील और गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत, उससे पहले गांधीजी के सत्य और अहिंसा के नैतिक बल को दुनिया ने पहचाना और सम्मान दिया। हमारे पास बुद्ध, अशोक और अकबर की मिसालें भी रहीं, लेकिन फिर इन महान हस्तियों के बताए रास्ते की अनदेखी और इनके संदेशों को अनसुना करने का नतीजा भारत ने भुगता, एक दो साल नहीं पूरे दो सौ साल की गुलामी में भारत रहा। लेकिन इस गुलामी में ही लोगों ने अपनी गलतियों को समझा और फिर स्वाधीनता आंदोलन के अलग–अलग धड़ों का नेतृत्व कर रहे लोगों की बात सुनी। शांतिदूत की आँखों से देश को आजाद कराने के लिए कई तरह की कुर्बानियां दीं। देश आजाद हुआ तो संविधान बनाने में इस बात का खास ख्याल रखा गया कि जिन रूढ़ियों की वजह से भारत का समाज कमजोर होता है, जनता के अधिकारों का हनन होता है, उन्हें दूर किया जाए। इसलिए संविधान में राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक हर पहलू पर बारीकी से ध्यान देकर व्यवस्थाएं बनाई गईं। खास तौर पर भारत के सामाजिक ढांचे और बहुलतावादी संस्कृति को इस तरह समायोजित किया गया कि किसी भी नागरिक को यह न लगे कि उसके साथ अन्याय हुआ है। इंतजार नहीं करती भारत के संविधान को दुनिया के श्रेष्ठ संविधानों में से एक माना जाता है और भारतविरोधी शक्तियां इसी बात से परेशान भी रहीं कि आजादी के बाद भारत निर्माताओं ने ये कितना मजबूत हथियार जनता के हाथ में दे दिया है। अब अगर इस संविधान को खत्म करने या बदलने की बात कही जाती है, तो इसके पीछे असल में भारत को खत्म करने की मंशा होती है। मौजूदा हालात इसी तरफ इशारा भी कर रहे हैं। 2014 में जब पहली बार नरेन्द्र मोदी सत्ता पर बैठे थे तो एकदम से कट्टर हिंदुत्व और उग्र राष्ट्रवाद का शोर तेज हुआ था। जातीय और धार्मिक झगड़ों में दंगे पहले भी होते रहे, लेकिन देश में स्पष्ट विभाजन नहीं दिखाई देता था, जो 2014 के बाद खुलकर दिखने लगा। यह भारतीय समाज पर चोट का एक हिस्सा ही था, लेकिन दूसरा हिस्सा ज्यादा खतरनाक था, जिसमें संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बनाने पर काम शुरु हुआ। निर्वाचन आयोग पर भाजपा के लिए काम करने के आरोप लगे, जो अब भी चल ही रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों की साख खतरे में आई, क्योंकि विपक्ष के नेताओं पर इनकी कार्रवाई तो खूब हुई, लेकिन उन्हें दोषी साबित करने के मामले गिने–चुने ही रहे। जाहिर है विपक्ष को निशाने पर लेने का मकसद सत्ता में बैठे लोगों की मनमानी के मौके बनाना है। वर्ना इन एजेंसियों का काम देश से भ्रष्टाचार को खत्म करना है और हर दिन की घटनाओं को देखें तो समझ आएगा कि भ्रष्टाचार पहले से कई गुना बढ़ चुका है। सौ में से 90 बेईमान, फिर भी मेरा भारत महान, यह संवाद 1997 में आई फिल्म यशवंत में नाना पाटेकर ने कहा था। यह बाद में जुमला ही बन गया और इसे लेकर अक्सर कांग्रेस को घेरा जाता था, क्योंकि तब तक सत्ता पर कांग्रेस ही ज्यादा काबिज रही। फिर बीजेपी सत्ता में आई, लेकिन 2004 से 2014 तक फिर से कांग्रेस सत्ता में रही तो भ्रष्टाचार को देश की सबसे बड़ी समस्या के तौर पर प्रस्तुत करने के लिए अन्ना आंदोलन चलाया गया। आज अन्ना हजारे अपने गांव रालेगण सिद्धि में बैठकर भारत को बर्बाद होते देख रहे हैं और इस समय जिस तरह का भ्रष्टाचार फैला है, उस पर दो शब्द उनके मुंह से नहीं निकलते। इसमें मीडिया भी बड़े भ्रष्टाचारी की तरह ही साथ दे रहा है। किसी संवाद को जुमले की तरह प्रचलित कर उसे सबसे बड़ा सच बनाने की कवायद में सबसे बड़ा हाथ प्रचार तंत्र का ही होता है।

बिहार ने दिखाया जिन्दा कौमें पांच साल इंतजार

जब सड़कें सूनी हों तो संसद आवारा हो जाती है, राममनोहर लोहिया की ये बात इस समय बिहार के हालात में बार–बार उठ रही है। बुधवार, 9 जुलाई को बिहार की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था और इससे संकेत मिले कि अब संसद को न आवारा रहने दिया जाएगा, न बेलगाम। राम मनोहर लोहिया ने ये भी कहा था कि जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती। इस बात के गहरे मायने हैं, जो लोकतंत्र में लोगों को न केवल उनके अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाते हैं, बल्कि ये भी समझाते हैं कि एक बार वोट डालने से ही लोगों की लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जातीं, उन्हें उन लोगों पर लगातार नजर भी रखनी पड़ती है जिन्हें लोकतंत्र में शासन की बागडोर सौंपी गई है। अगर सत्ता पर बैठे लोग अपने कर्तव्यपथ से विचलित दिखें तो फिर जनता को अपने जिंदा होने का सबूत देने के लिए आगे आना चाहिए। वर्ना लोकतंत्र का जनाजा निकलने में देर नहीं होगी। बिहार में बुधवार को लोगों ने अपने जिंदा होने का ही सबूत दिया और विपक्ष ने बड़े सलीके से उनका नेतृत्व किया। अद्भुत दृश्य था कि बिहार चुनाव से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक साथ सड़क पर उतरे और ऐलान किया कि इस बार लोकतंत्र को कुचलने और चुनाव में चोरी के मौके देने की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। गौरतलब है कि अभी बिहार में चुनाव की तारीखें घोषित नहीं हुई हैं, न ही विपक्षी गठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा हुआ है। हालांकि राहुल गांधी जनवरी से लगातार बिहार के अलग–अलग हिस्सों में दौरे कर रहे हैं, लेकिन ये पहली बार है कि राहुल गांधी किसी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा बनने बिहार पहुंचे। पिछले महीने जून की शुरुआत में ही राहुल गांधी का एक लेख देश भर के अखबारों में छपा था, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी कैसे हुई, इस पर अपने विचार रखे थे और बिहार को लेकर आगाह किया था। अब बिहार में राहुल गांधी ने फिर उसी बात को दोहराया है। बुधवार के चक्काजाम में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव में वोट की लूट हुई। चुनाव में गरीब और दलित के वोट काटे गए। जब हमने चुनाव आयोग से कहा कि आप हमें वोटर लिस्ट दीजिए, वीडियोग्राफी दीजिए तो चुनाव आयोग ने इस पर एक शब्द नहीं कहा। हमें आज तक महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट नहीं मिली और वीडियोग्राफी का कानून बदल दिया गया।

ये सब इसलिए किया गया, क्योंकि ये सच्चाई छिपाना चाहते हैं। हम बिहार आए हैं, यहां लोग संविधान के लिए शहीद हुए। हमारे संविधान में लिखा है कि हिंदुस्तान के हर नागरिक को वोट देने का अधिकार है। मैं हिंदुस्तान और बिहार की जनता को बताना चाहता हूं कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, उसी तरह बिहार का चुनाव भी चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता चल गया है कि हमें महाराष्ट्र मॉडल समझ आ गया है, इसलिए अब वे बिहार मॉडल लेकर आए हैं। मैं आपको साफ बताना चाहता हूं कि यह गरीबों का वोट छीनने का तरीका है, लेकिन इनको पता नहीं है कि ये बिहार है और बिहार की जनता ऐसा कभी नहीं होने देगी। पाठक जानते हैं कि बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान चला रहा है, जिसका विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं. इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग जिन 11 दस्तावेज की मांग कर रहा है, वे दस्तावेज राज्य के गरीब तबकों के पास अमूमन नहीं हैं और आशंका है कि इन्हें उपलब्ध न कराने पर करोड़ों नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। यह कवायद संविधान विरोधी कही जा रही है, क्योंकि भारत का संविधान जाति, धर्म, संपत्ति, लिंग इन सबके भेदभाव से परे हरेक नागरिक को मत का अधिकार देता है। नागरिकों के मताधिकार की रक्षा हो, देश में निष्पक्ष चुनाव हों, इन्हीं उद्देश्यों के साथ ही निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था। यह आयोग की जिम्मेदारी थी और अब भी है कि वह खुद नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें मताधिकार दे, लेकिन बिहार में चुनाव आयोग की मौजूदा कवायद तो लोगों को खुद को नागरिक साबित करने की चुनौती में उलझा रही है। जो अपने आप को नागरिक साबित नहीं कर पाएंगे, उन्हें मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा। हालांकि अब राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को आगाह कर दिया है कि वह कानून से परे नहीं है और न ही वह बीजेपी का काम करने के लिए है। चुनाव आयोग का काम संविधान की रक्षा करने का है, लेकिन ये अपना काम नहीं कर रहे हैं, ये आरोप राहुल गांधी ने लगाया है। राजनैतिक दलों का चुनाव आयोग से भरोसा उठे, यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। मगर पिछले 11 सालों के चुनाव पैटर्न पर ध्यान दीजिए तो लगभग हर चुनाव से पहले या बाद में चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें हो रही हैं, अदालतों के दरवाजे खटखटाए जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्तों के बयानों पर सवाल उठ रहे हैं या विवाद खड़े हो रहे हैं। इससे पहले देश का ध्यान इस बात पर नहीं जाता था कि कब चुनाव आयोग प्रेस कांफ्रेंस कर रहा है, कब नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हो रही है या किसी चुनाव में कब कौन सी बड़ी गड़बड़ी हुई है। लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आते ही ये सारी बातें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। कभी चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं, कभी चुनाव आयोग के नियमों में संशोधन पर आपत्ति होती है, कभी विपक्ष शिकायत करता है कि आयोग उसे मिलने का वक्त नहीं देता, उसके सवालों का सही जवाब नहीं देता, कभी चुनाव आयोग विपक्ष पर तंज कसते हुए जवाब देता है, मानो वह निष्पक्ष संस्था नहीं सत्तारुढ़ दल का साथी है। ये सारे लक्षण लोकतंत्र की मजबूती के तो कतई नहीं हैं। कायदे से इन पर चिंता दिखाते हुए इन्हें सुधारने की कोशिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब नौबत ऐसी आ गई है कि एक तरफ विपक्ष को चुनाव आयोग के खिलाफ अदालत जाना पड़ा है, दूसरी तरफ सड़क पर उतरना पड़ा है।

भारत को रक्षा व्यय में पर्याप्त वृद्धि करने की आवश्यकता

नन्तू बनर्जी 2025–26 के बजट में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का प्रस्तावित रक्षा खर्च, जो 1.9 प्रतिशत होने का अनुमान है, 2000 के दशक की शुरुआत में बड़े रक्षा पेंशन को छोड़कर, लगभग तीन प्रतिशत के अपने ऐतिहासिक स्तर से पर्याप्त कमी दर्शाता है। जबकि हाल के वर्षों में रक्षा के लिए समग्र बजट आवंटन में वृद्धि हुई है, इस उद्देश्य के लिए आवंटित जीडीपी का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम स्तर दो प्रतिशत से नीचे रहा है। ।सेव त्मंक – भारत को नीचा दिखाने में लगीं अघोषित शक्तियां यह विश्वास करना कठिन है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधार पर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एक प्रमुख सैन्य शक्ति भारत का रक्षा व्यय जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कुवैत और ग्रीस जैसे छोटे–छोटे देशों से भी कम है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में चीन के साथ जटिल भू–राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर कहा जा सकता है कि भारत अपनी रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं कर रहा है, जबकि उसका नंबर 1 दुश्मन चीन लगातार बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान और नेपाल पर अपने बढ़ते आर्थिक और सैन्य नियंत्रण के साथ भारत को घेर रहा है, जिससे भारत पर चीन का खतरा बढ़ता जा रहा है। भारत का वार्षिक रक्षा बजट प्रभावशाली नहीं है। भारत का रक्षा व्यय चीन के लगभग 267अरब डॉलर के एक तिहाई से भी कम है। अमेरिका 895 अरब डॉलर के बजट के साथ सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश बना हुआ है। रूस का रक्षा बजट करीब 126 अरब डॉलर का है। भारत का रक्षा बजट केवल 75 अरब डॉलर के आसपास होने का अनुमान है। प्रभावी रूप से, भारत का रक्षा खर्च उसके सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत है। हालांकि चीन का रक्षा खर्च आधिकारिक तौर पर उसकी अर्थव्यवस्था का केवल 1.5 प्रतिशत अनुमानित है, लेकिन ओआरएफ ऑनलाइनडॉटऑर्ग के अनुसार, इसमें हथियार आयात, पीपुल्स आर्म्ड पुलिस के लिए वित्त पोषण और अनुसंधान और विकास जैसे कई महत्वपूर्ण व्यय शामिल नहीं हैं। नतीजतन, चीन का प्रभावी रक्षा व्यय काफी हद तक छिपा हो सकता है, या फिरयह सार्वजनिक रूप से साझा अनुमान से काफी अधिक हो सकता है। अमेरिका और रूस के बाद तीसरी प्रमुख वैश्विक सैन्य शक्ति, कम्युनिस्ट चीन रक्षा क्षेत्र में अपनी तकनीकी क्षमता का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है क्योंकि यह दुनिया भर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, जो केवल अमेरिका से पीछे है। चीनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई)एशिया, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका और प्रशांत क्षेत्र में फैला हुआ है। इंतजार नहीं करती हाल की रिपोर्टों के अनुसार, चीन के पास श्रीलंका, पाकिस्तान, तंजानिया, मॉरीशस, मालदीव और म्यांमार में संभावित आधार है। चीन इन देशों के हिंद महासागर के बिंदुओं पर वाणिज्यिक बंदरगाह या मुक्त व्यापार क्षेत्र विकसित करने में लगा हुआ है। चीन पारंपरिक हथियारों की बिक्री के लिए अंतिम अनुबंधों के साथ इन देशों का समर्थन भी कर रहा है। अमेरिका चिंतित है, और भारत भी चिंतित है। यह चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता, या क्वाड के गठन की व्याख्या करता है, जो साझा मूल्यों और कानून के शासन के आधार पर एक स्वतंत्र और खुले अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत–प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य करता है। क्वाड के सदस्य देश हैं: अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत। दिलचस्प बात यह है कि 10 सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की नवीनतम बैठक के बाद, जिसमें चीन, भारत, पाकिस्तान और ईरान शामिल हैं, भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक मसौदा बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख नहीं था। नतीजतन, कोई संयुक्त घोषणा नहीं की गयी। पाकिस्तान का रक्षा व्यय उसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.2 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष 2025–26 के लिए, देश का रक्षा बजट शुरू में सकल घरेलू उत्पाद का 1.97 प्रतिशत प्रस्तावित किया गया था। हालांकि, हाल ही में भारत–पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय युद्ध के बाद, संकेत मिल रहे हैं कि पाकिस्तान का रक्षा व्यय, जिसमें छिपी हुई लागत, सैन्य पेंशन और कुल सैन्य–संबंधी व्यय शामिल हैं, इस वर्ष उसके सकल घरेलू उत्पाद के चार प्रतिशत से अधिक हो सकता है। हाल के वर्षों में, पाकिस्तान का रक्षा व्यय आम तौर पर सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2.5 प्रतिशत पर रहा है। महत्वपूर्ण युद्ध उपकरणों के भंडार के लिए चीन पर बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर पाकिस्तान दक्षिण और पश्चिम एशियाई दोनों क्षेत्रों में चीन के लिए छद्म युद्ध लड़ने के लिए तैयार दिखाई देता है। पाकिस्तान में चीन का बीआरआई निवेश, मुख्य रूप से चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से, +62 अरब खर्च होने का अनुमान है। सीपीईसीबीआरआई का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संपर्क और व्यापार को बढ़ाना है। 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ, जो रूस के खिलाफ यूक्रेन के समर्थन में एक छद्म युद्ध लड़ता हुआ प्रतीत होता है।

गोरखपुर में सौर ऊर्जा क्रांति

रोजाना पैदा हो रही 11 मेगावाट बिजली

गोरखपुर में सौर ऊर्जा से 11 मेगावाट बिजली
अब तक 3178 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित
पीएम सूर्य घर योजना से मिल रहा ऋण

संवाददाता, गोरखपुर। सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से जिले में रोजाना 11 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। अब तक 3178 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। शासन की ओर से हर महीने चार से पांच हजार संयंत्र लगाने का लक्ष्य दिया गया है। ऋण की सुविधा उपलब्ध होने के कारण सभी के लिए सहूलियत हो रही है।

यह कहना है नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (नेडा) के परियोजना अधिकारी गोविंद तिवारी का। वह एनेक्सी भवन में पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में अब तक स्थापित हो चुके संयंत्रों की जानकारी दे रहे थे। कहा कि जिले में 3178 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराए जा चुके हैं। इनमें से 2929 आवेदकों का अनुदान उनके बैंक खाते में भेजा जा चुकी है।

शेष की प्रक्रिया चल रही है। अब तक 30.26 करोड़ रुपये अनुदान दिए जा चुके हैं।

अधीक्षण अभियंता ने कहा कि बिजली निगम से जुड़ी प्रक्रिया हर हाल में एक सप्ताह में पूरी करा ली जाएगी। यूपी नेडा के सलाहकार उपकारी नाथ त्रिपाठी ने ऋण को लेकर आ रही दिक्कतों पर चर्चा की।

लीड बैंक मैनेजर मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि ऋण देने में गति दिलाई जाएगी। इसके साथ ही एक सप्ताह में कार्यशाला कराने पर भी सहमति बनी। इस दौरान एसडी दूबे, टाउनहाल के अधिशासी अभियंता अंकित कुमार, संयंत्र स्थापित करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी बोले- पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे

अधिकारी इसका ध्यान दें- पैसे की तंगी से न रुके किसी का उपचार

गोरखपुर,संवाददाता। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार को गुरु पूर्णिमा पर्व पर आनुष्ठानिक कार्यक्रम की व्यस्तता के बावजूद जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। गुरुवार सुबह गुरु पूर्णिमा पूजन के बाद गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कहा कि जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार–दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

गुरु पूर्णिमा पर महाआरती के साथ संपन्न हुई पूजा

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान प्रातः काल 5 बजे से ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरुवार प्रातः काल गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, योगिराज बाबा गंभीरनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजनों का भी विधि विधान से पूजन–अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान प्रातः काल 5 बजे से ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। वैसे तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ जी तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन–पूजन उनकी दिनचर्या का हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है।

गुरुवार को गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गुरु गोरखनाथ सहित मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया।

आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव–विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी–बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद भी अर्पित किया गया।

पूजा–अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया संपन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई।

अब यात्रियों के हाथ में होगा ’स्मार्ट कार्ड’, सफर में ही हो जाएगा रिचार्ज

संवाददाता, गोरखपुर। रेलवे की तरह रोडवेज भी डिजिटल प्लेटफार्म पर आ रहा है। यात्रियों के हाथ में अब साधारण की जगह ’स्मार्ट कार्ड’ होगा। स्मार्ट कार्ड सफर में ही आनलाइन रिचार्ज हो जाएगा। रिचार्ज कराने के लिए यात्रियों को भागकर डिपो या स्टेशन नहीं पहुंचना पड़ेगा।

परिचालक (कंडक्टर) ही स्मार्ट कार्ड को रिचार्ज कर देंगे।

यात्रियों की सुविधा व सिस्टम को पारदर्शी बनाने के लिए परिवहन निगम (रोडवेज) ने मासिक सीजन टिकट ’एमएसटी’ को नए कलेवर में स्मार्ट कार्ड के रूप में लांच किया है। लखनऊ के बाद गोरखपुर परिक्षेत्र के गोरखपुर–देवरिया रूट पर स्मार्ट कार्ड का परीक्षण आरंभ हो गया है। जल्द ही स्मार्ट कार्ड की व्यवस्था गोरखपुर–देवरिया के अलावा पडरौना, सोनौली, सिद्धार्थनगर, महराजगंज और बस्ती रूट पर भी लागू कर दी जाएगी।

रोडवेज बसों के यात्री स्मार्ट कार्ड पर एक रूट पर एक ही बार यात्रा कर सकेंगे। एमएसटी पर किसी भी तरह की अनियमितता नहीं हो पाएगी। न यात्री उसका दुरुपयोग कर पाएंगे और न परिचालक मनमानी।

एमएसटी बनवाने के लिए बार–बार बस स्टेशन के काउंटर पर लाइन नहीं लगानी पड़ेगी। एक बार एमएसटी बन जाने से दोबारा बनवाने के झंझट से मुक्ति मिलेगी।

एमएसटी रिचार्ज होता रहेगा और यात्रा निर्बाध गति से चलती रहेगी। परिचालक ही रास्ते में एमएसटी रिचार्ज कर देंगे।

नई व्यवस्था के तहत इलेक्ट्रानिक टिकट मशीन (ईटीएम) पर स्मार्ट कार्ड टच करते ही परिचालक के सामने यात्री का पूरा विवरण आ जाएगा। यानी, ईटीएम ही स्मार्ट कार्ड को पढ़ लेगा। परिचालक आसानी से टिकट बना सकेंगे।

> **रोडवेज ने लॉन्च किया स्मार्ट कार्ड**
> **गोरखपुर–देवरिया रूट पर परीक्षण शुरू**
> **डिजिटल टिकट से आसान होगी यात्रा**

अगर यात्री कार्ड से निर्धारित रूट पर एक बार यात्रा कर चुका है या निर्धारित रूट के अलावा दूसरे रूट पर यात्रा कर रहा है या कार्ड दूसरे रूट का बना है और यात्रा दूसरे रूट पर कर रहा है या कार्ड का रिचार्ज समाप्त हो रहा है।

कार्ड टच होते ही ईटीएम पूरी जानकारी पढ़ लेगी। परिचालक को पलक झपकते सभी आवश्यक जानकारी मिल जाएगी। स्मार्ट कार्ड बन जाने से यात्रियों को राहत तो मिलेगी ही, परिचालकों को भी टिकट बुक करने में सहूलियत मिलेगी। नियमित यात्रियों को विशेष छूट मिलेगी।

एमएसटी से भी टिकटों की बुकिंग आसान हो जाएगी। अभी तक सामान्य कार्ड की तरह मैनुअल एमएसटी बनता रहा है, जो जल्द पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

आयुष्मान कार्डधारक की जांच और इलाज के लिए वसूल लिए 17 हजार रुपये

गोरखपुर फातिमा अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारक मरीज से पैसे वसूलने का आरोप लगा है। परिजनों का कहना है कि अस्पताल ने 17000 लिए और शव रोकने की धमकी दी। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि आयुष्मान योजना से स्वीकृति नहीं मिल पाई थी। सीएमओ ने कहा कि अस्पताल डे केयर पैकेज के तहत दावा कर सकता था और उन्होंने सभी अस्पतालों को निर्देश जारी करने की बात कही है।

संवाददाता, गोरखपुर। फातिमा अस्पताल में आयुष्मान कार्डधारक एक मरीज की जांच व उपचार के लिए उनके तीमारदार से 17 हजार रुपये वसूल लिए गए। स्वजन ने आरोप लगाया है कि अस्पताल प्रबंधन रुपये न देने पर शव देने से इंकार कर रहा था। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि उपचार के लिए योजना से स्वीकृति लेने के लिए जांच कराई गई लेकिन जांच रिपोर्ट आने के पूर्व ही रोगी की मृत्यु हो गई। स्वीकृति नहीं ली जा सकी। ऐसे में योजना से जांच व उपचार का खर्च नहीं मिलता।

वहीं सीएमओ का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन को पता नहीं रहा होगा कि योजना के अंतर्गत डे केयर पैकेज भी होता है। यदि रोगी अस्पताल में भर्ती हो गया है और जांच रिपोर्ट आने के पूर्व उसकी मृत्यु हो जाती है तो डे केयर पैकेज में निर्धारित धनराशि अस्पताल को प्रदान की जाती है। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन को दावा करना होता है। देवरिया के खामपार गांव निवासी अविनाश गुप्ता अपने बीमार पिता देशवंधु गुप्ता को उपचार के लिए फातिमा अस्पताल में रविवार की रात 8:49 बजे भर्ती कराए। सुबह 10:37 बजे अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि उनके पिता की मृत्यु हो चुकी है।

जांच व उपचार में 21 हजार रुपये खर्च हुए हैं, उसका भुगतान कर दें। अविनाश ने आरोप लगाया है कि आयुष्मान कार्ड होने की बात जब कही गई तो अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि उपचार के लिए योजना से स्वीकृति नहीं ली जा सकी थी, इसलिए भुगतान तीमारदार को ही करना होगा। भुगतान न करने की दशा में शव रोक लिया जाएगा। जब उन्होंने एसएसपी, डीएम व सीएमओ के पास जाने की बात कही तो अस्पताल प्रबंधन ने 17 हजार रुपये लेकर शव उन्हें दे दिया। अस्पताल के जन संपर्क अधिकारी रेमंड का कहना है कि रोगी की जांच कराई जाती है, रिपोर्ट आयुष्मान योजना कार्यालय में भेजकर उपचार की स्वीकृति ली जाती है। स्वीकृति मिल जाने के बाद जांच व उपचार का खर्च योजना से मिल जाता है।

लेकिन इस रोगी की जांच रिपोर्ट आने के पूर्व ही मृत्यु हो गई। इसलिए स्वीकृति नहीं ली जा सकी। जांच व उपचार में आया खर्च योजना से मिलता नहीं, इसलिए तीमारदार से बिल भुगतान करने को कहा गया। भुगतान के अभाव में शव रोकने की बात नहीं कही गई।

सपा पर मुख्यमंत्री योगी ने जमकर बोला हमला

लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से बौखला गए हैं 'बबुआ'

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में वनाच्छादन बढ़ा है। 2017 तक प्रदेश में 5 वर्षों में सिर्फ 26 करोड़ पौधे लगे थे और उनका भी कहीं अता–पता नहीं था। जबकि बीते 8 वर्षों में 204 करोड़ पौधे लगाए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जहां एक दिन में प्रदेश में 37 करोड़ पौधारोपण के महाभियान में तीन स्थानों पर खुद शामिल होकर इसे गतिमान किया तो वहीं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाने वाले विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर खासे आक्रामक रहे। उन्होंने पूर्ववर्ती सपा सरकार के कार्यकाल की कुछ योजनाओं के आंकड़ों के साथ पोल खोली। गोरखपुर के पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सपा सरकार के कार्यकाल में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के टेंडर और जेपीएनआईसी से जुड़े आकंड़ों का हवाला देते हुए सीधा हमला बोला और बिना किसी नेता का नाम लिए कहा कि लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से 'बबुआ' बौखला गए हैं।

सीएम योगी बुधवार को पौधरोपण महाभियान 2025 के अंतर्गत चिलुआताल के किनारे पौधरोपण करने के पूर्व जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम–2.0' थीम पर खाद कारखाना से सटे चिलुआताल के किनारे हरिशंकरी (पीपल, बरगद, पाकड़) का पौधरोपण कर पवित्र धारा वन की स्थापना का शुभारंभ किया। इसके पूर्व खाद कारखाना परिसर में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पूर्व प्रदेश में योजनाओं में लूट और भ्रष्टाचार का तांडव मचा हुआ था। सपा सरकार में 341 किलोमीटर लंबे और 110 मीटर चौड़े पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिए जो टेंडर निकाला गया था, उसकी लागत 15200 करोड़ रुपये थी। जबकि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने इसकी चौड़ाई बढ़ाकर 120 मीटर की और दोबारा टेंडर निकाला तो लागत आई 11800 करोड़ रुपये। उन्होंने इस अंतर धनराशि को लूट करार देते हुए कहा कि यह रकम कहां जा रही थी। उन्होंने कहा कि लूट और भ्रष्टाचार करने वाले वही लोग आज हमें उपदेश दे रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार की पोल खोलने के सिलसिले को जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) के आकंड़े भी जनता के सामने रखे। कहा कि जेपी, मूल्यपरक राजनीति और परिवारवाद की मुखालफत के लिए जाने जाते हैं। पर, सपा सरकार ने उनके नाम को भी बदनाम किया। जेपीएनआईसी की लागत सिर्फ 200 करोड़ रुपये थी लेकिन मार्च 2017 तक इस पर 860 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए और काम भी पूरा नहीं हुआ था। इसकी सीबीआई जांच हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नैतिकता की बात करने वाले बबुआ लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से बौखला गए हैं।

सवाल करने वालों को अवसर मिला तो उन्होंने कुछ नहीं किया

मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार पर सवाल उठाने वालों को कठघरे में खड़ा किया। कहा कि वे एक दिन में 37 करोड़ पौधरोपण के अभियान पर भी सवाल उठाते हैं जबकि इन प्रश्न करने वालों को जब अवसर मिला तो उन्होंने कुछ नहीं किया। योजनाओं को लूटपाट और भ्रष्टाचार का केंद्र बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया, वन डिस्ट्रिक्ट वन क्रॉप दिया जबकि सपा, कांग्रेस और बसपा की सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया। परिवारवाद के नाम पर समाज में जहर घोलने का काम किया। रामभक्तों पर गोलियां चलवाई। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में वन माफिया जंगलों की अवैध कटान कराते थे, खनन माफिया अवैध खनन कराते थे और भू माफिया गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे। प्रदेश में अराजकता का तांडव था। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने प्रदेशभर में जीरो टॉलरेंस नीति लागू कर माफिया को ठिकाने लगा दिया है। 2017 के पहले प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। युवा बाहर अपनी पहचान नहीं बता पाता था। आज जब यूपी का युवा बाहर जाता है तो प्रदेश से जुड़ी उसकी पहचान जानते ही सामने वाले के चेहरे पर चमक आ जाती है।

पौधरोपण अभियान वर्तमान को संजोने और भविष्य को बचाने का अभियान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पौधरोपण अभियान सिर्फ पौधरोपण करने का ही कार्य नहीं है बल्कि यह वर्तमान को संजोने और भविष्य को बचाने का अभियान है। अपनी इस बात को विस्तार से समझाते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के भीषण संकट से जूझ रही है। इसके कारण अनेक चुनौतियां सामने आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने अमेरिका के टेक्सास में हाल ही में हुई एक घटना का भी उल्लेख किया, जहां अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों बच्चे लापता हो गए। सीएम ने कहा कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि, आकाशीय बिजली और गर्मी की समस्या चरम पर है। इस मौसम में कभी मूसलाधार बारिश हुआ करती थी आज भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम चक्र के इस बदलाव का असर फसलों पर भी पड़ रहा है। यह सब मानव के अनियोजित कार्य से हो रहा है। इस अनियोजित कार्य की कीमत विश्व मानवता भुगत रही है।

सुनियोजित प्रयास से बढ़ा प्रदेश का वनाच्छादन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में वनाच्छादन बढ़ा है। 2017 तक प्रदेश में 5 वर्षों में सिर्फ 26 करोड़ पौधे लगे थे और उनका भी कहीं अता–पता नहीं था। जबकि बीते 8 वर्षों में 204 करोड़ पौधे लगाए गए। राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वेक्षण में इनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित भी हैं। देश के किसी एक राज्य में पौधरोपण करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका अग्रणी है। इसी का परिणाम है कि 2017 के बाद प्रदेश में 5 लाख एकड़ क्षेत्र में पौधारोपण किया जा चुका है।

मां और धरती माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर

सीएम योगी ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर आयोजित पौधरोपण महाभियान धरती माता और जिस मां के नाम पर हम पौधे लगा रहे हैं, उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। उन्होंने सभी लोगों का आह्वान किया कि वे एक पेड़ मां के नाम पर अवश्य लगाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के पुनरोद्धार के लिए उनके किनारे, एक्सप्रेसवे और सर्विस लेन के बीच, अमृत सरोवरों पर भी पौधरोपण किया जा रहा है।

अन्नदाता किसानों के आय में वृद्धि करने का माध्यम भी है पौधरोपण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पौधरोपण महाभियान अन्नदाता किसानों के आय में वृद्धि करने का भी एक सशक्त माध्यम बन रहा है। इसके लिए उन्होंने कार्बन क्रेडिट योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत किसानों द्वारा पौधा लगाकर किए गए देखभाल के आधार पर 5 वर्ष बाद सर्वे होता है। पेड़ की प्रगति देखकर प्रति कार्बन क्रेडिट 6 डॉलर का भुगतान अन्नदाता किसानों को किया जाता है। उन्होंने बताया कि कार्बन क्रेडिट के लिए 25 हजार किसानों को 32 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इस बार 42 लाख रुपये की राशि वितरित की जा रही है।

रामगढ़ताल की तरह पर्यटन केंद्र बनेगा चिलुआताल

मुख्यमंत्री ने चिलुआताल का सौंदर्यीकरण रामगढ़ताल की तर्ज पर कराए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि चिलुआताल भी रामगढ़ताल की तरह पर्यटन का केंद्र बनेगा।

सीएम योगी के नेतृत्व में हुआ रिकार्ड पौधरोपण : स्वतंत्र देव सिंह

पौधरोपण महाभियान के इस कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री/जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में 2017 के बाद प्रदेश में 5 लाख एकड़ भूमि पर रिकार्ड पौधरोपण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में पौधरोपण के कारण गर्मी में भी पानी की किल्लत नहीं होती। उन्होंने सभी से पौधरोपण करने और खेत के मेड़ पर पौधा जरूर लगाने का अनुरोध किया।

गर्मी से बचाव का प्रभावी तरीका है, पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ : डॉ. अरुण सक्सेना

इस अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने कहा कि इस बार गर्मी ज्यादा पड़ी। नौतपा के नौ दिन के अलावा महीने भर नौतपा जैसे ही हालात रहे।

कई जिलों में 40 से 50 डिग्री तापमान रहा। गर्मी बढ़ने का कारण कार्बन डाइऑक्साइड है। इससे बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी के आह्वान पर हम सभी को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़कर अधिकाधिक पौधरोपण और लगाए गए पौधों का संरक्षण करना चाहिए।

विकास के साथ प्रकृति संरक्षण पर भी पीएम–सीएम का पूरा ध्यान: रविकिशन

पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास के साथ पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। पीएम मोदी और सीएम योगी का पर्यवारण रक्षा का विजन अभिनंदनीय है।

पीएम–सीएम आवास योजना के लाभार्थियों को सीएम योगी ने भेंट किया पौधा

पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो पॉवर्टी स्कीम के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के 10 लाभार्थियों सोनारी देवी, चंदा देवी, मानती, गुड्डी, राजप्रताप, चंद्रावती, राम चंदर, सोहरावती, जग बहादुर, गुलाबी देवी को पौधा भेंट कर इसके रोपण और संरक्षण का आह्वान किया।

---

2 लुटेरे गिरफ्तार, घर से निकलें तो रहें सतर्क

गोरखपुर,संवाददाता। पिछले दिनों छिनैती और टप्पेबाजी की घटना होने से पुलिस खासी सतर्क है। इसी दौरान शहर के शास्त्री चौक इलाके से लूट करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लंबे समय बाद गलरिहा में ऑटो में टप्पेबाजी की घटना अंजाम दी गई। वहीं, पिछले दिनों गोरखनाथ और शाहपुर इलाके में छिनैती हुई थी। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि लंबे समय बाद टप्पेबाजी की शिकायत सामने आई है। शास्त्री चौक पर हुई लूट का खुलासा 24 घंटे के भीतर कर जेल भेज दिया गया है।शहर में लंबे समय बाद अचानक फिर से टप्पेबाजी की एक घटना सामने आई है। बुधवार को गुलरिहा क्षेत्र के मलंगस्थान के पास ऑटो से मायके जा रही महिला के गले से चेन चोरी हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, बेलीपार क्षेत्र के मारवाड़ी कुंआ चनऊर निवासी जयहिंद की पत्नी अनीता अकेले बुधवार को घर से पनियरा क्षेत्र के मुजुरी स्थित मायके जा रही थीं। दोपहर में वह धर्मशाला ऑटो स्टैंड पर पहुंच कर मुजुरी जाने वाले ऑटो में बैठीं। इसमें तीन यात्री पहले से बैठे थे। ऑटो महराजगंज चौराहे पर पहुंचा तो उसमें तीन महिलाएं और एक किशोरी भी सवार हो गईं। पीड़िता के अनुसार, महिलाएं रास्ते भर उन्हें परेशान कर रही थीं। मलंग स्थान एवं टिकरिया चौराहे के बीच चारों ऑटो से उतर गईं।

जरा सा पैर सरका और चली गई जान

पोखरी में डूबने से चौकीदार के बेटे की मौत, मची चीख–पुकार

देवरिया,संवाददाता। बीरपुर मिश्र गांव निवासी रमाशंकर पासवान खुखुंदू थाने में चौकीदार है। उनकी चार संतानों में तीन बेटियों के बाद विनोद एकलौता बेटा था। पुलिस के मुताबिक बुधवार भोर में विनोद पासवान गांव के दक्षिण स्थित पोखरी के पास शौच करने गया था। जहां पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। थाना क्षेत्र के बीरपुर मिश्र गांव में बुधवार की भोर में शौच करने गए चौकीदार रमाशंकर पासवान के बेटे विनोद पासवान उम्र 45 वर्ष की पोखरी में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने शव पोखरी से बाहर निकाल वारदात की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की।

इसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद पत्नी और बेटे बदहवास है। परिवार में चीख–पुकार मची है। बीरपुर मिश्र गांव निवासी रमाशंकर पासवान खुखुंदू थाने में चौकीदार है। उनकी चार संतानों में तीन बेटियों के बाद विनोद एकलौता बेटा था। पुलिस के मुताबिक बुधवार भोर में विनोद पासवान गांव के दक्षिण स्थित पोखरी के पास शौच करने गया था। जहां पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। पोखरी में डूबने से उसकी मौत हो गई। जैसे ही इसकी खबर परिवार और गांव के लोगों को लगी मौके पर भीड़ जुट गई।

परिजनों ने ही की थी युवक और किशोरी की हत्या

कुशीनगर,संवाददाता। तमकुहीराज थाना क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी पिछले सप्ताह मंगलवार सुबह घर से लापता हो गई। किसी ने 1090 पर किशोरी के लापता होने की जानकारी दे दी। पुलिस गांव पहुंची तो किशोरी के घर वालों ने गांव के ही 20 साल के युवक पर भगा ले जाने का आरोप लगाया। तमकुही राज थाना क्षेत्र के एक गांव में एक सप्ताह पहले किशोरी और युवक के हत्या का खुलासा पुलिस ने किया। ऑनर किलिंग के तहत किशोरी के परिजनों ने युवक और किशोरी की हत्या की और उसे आत्महत्या देने के लिए पेड़ पर लटका दिया था। बुधवार को पुलिस ने मामले का पर्दाफाश किया है। किशोरी और युवक की हत्या में पुलिस ने किशोरी के चचेरे भाई, इसके दो नाबालिग दोस्त, इसकी भाभी और पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तमकुहीराज थाना क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी पिछले सप्ताह मंगलवार सुबह घर से लापता हो गई। किसी ने 1090 पर किशोरी के लापता होने की जानकारी दे दी। पुलिस गांव पहुंची तो किशोरी के घर वालों ने गांव के ही 20 साल के युवक पर भगा ले जाने का आरोप लगाया। इस पर पुलिस युवक के घर पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला।

वाह रे कंडक्टर...बस में पौधे का भी काट दिया टिकट बोला– 'जहां शिकायत करनी हो कर दीजिए'

गोरखपुर,संवाददाता।शहर के तरंग तिराहे के पास रहने वाली वाली डॉ. जया अरुण तारामंडल क्षेत्र में स्थित एक डिग्री कॉलेज में बीएड विभाग की विभागाध्यक्ष हैं। वह शनिवार को बस्ती अपनी मां से मिलने के लिए गई थीं। रविवार सुबह गोरखपुर लौटने के लिए वह अपने साथ एक झोले में तीन से चार पौधे लेकर रोडवेज की अनुबंधित बस बस यूपी 51 एटी 1061 में चढ़ीं और पौधों को अपनी सीट के आगे रख दिया।

रोडवेज की बस में एक अजब–गजब का मामला सामने आया है। बस की महिला परिचालक ने झोले में रखे पौधे का भी जबरन टिकट काट दिया। आरोप है कि पौधे के साथ बस में बैठी महिला ने जब विरोध किया तो

शहर के तरंग तिराहे के पास रहने वाली वाली डॉ. जया अरुण तारामंडल क्षेत्र में स्थित एक डिग्री कॉलेज में बीएड विभाग की विभागाध्यक्ष हैं। वह शनिवार को बस्ती अपनी मां से मिलने के लिए गई थीं। रविवार सुबह गोरखपुर लौटने के लिए वह अपने साथ एक झोले में तीन से चार पौधे लेकर रोडवेज की अनुबंधित बस बस यूपी 51 एटी 1061 में चढ़ीं और पौधों को अपनी सीट के आगे रख दिया।

इस दौरान बस में तैनात महिला परिचालक ने पहले महिला का टिकट काटा। इसके बाद पौधे को देखकर कहा कि इसका भी टिकट लगेगा। डॉ. जया ने विरोध किया और कहा कि ऐसा कोई नियम नहीं है कि अपने साथ लेकर चलने वाले सामान का भी टिकट देना पड़े। वैसे भी यह छोटे–छोटे पौधे ही तो हैं।

परिचालक ने महिला की बात न सुनते हुए पौधे का बस्ती से गोरखपुर तक 97 रुपये का टिकट काट दिया और रुपये देने का दबाव बनाया। इस बीच बस में बैठे अन्य यात्रियों ने भी इसका विरोध किया लेकिन परिचालक अड़ी रही। मजबूरी में पौधे के टिकट के रुपये दिए। इसके बाद महिला परिचालक ने कहा कि अब जहां भी शिकायत करनी हो, कर दीजिएगा।

किसी भी तरह के निजी सामान को साथ में ले जाने पर टिकट नहीं लगता है। अगर पौधे का टिकट काटा गया है तो इसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।?

लव कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक, परिवहन निगम

एम्स में प्रसव पीड़ा से कराहती रही प्रसूता

स्ट्रेचर तलाशते रहे परिजन– बेड पर लिटाकर ले गए

गोरखपुर,संवाददाता। पर्चा नहीं बन पाने पर परिजन महिला को लेकर इमरजेंसी पहुंचे। वहां रात 10:21 बजे टोकन और पर्चा बना, जिसके बाद भर्ती किया गया। इसके बाद उसे लेबर रूम भेजा गया, लेकिन वहां भी व्हीलचेयर या स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था। मजबूरन महिला को बेड पर लिटाकर लेबर रूम ले जाया गया, जहां करीब 1 बजे रात में सामान्य प्रसव हुआ।

एम्स में सोमवार को प्रसूता को सुविधाओं के अभाव और सिस्टम की लापरवाही के कारण काफी दर्द झेलना पड़ा। रात एक बजे महिला का नॉर्मल प्रसव हुआ। जच्चा और बच्चा दोनों ही सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

प्रसूता के परिजनों ने बताया कि सोमवार की शाम को पूनम प्रसव पीड़ा होने पर गाइनी ओपीडी पहुंची। वहां पर्चे की मांग करने पर परिजन रिविजिट कांउटर पर पर्चा बनवाने पहुंचे, लेकिन भीड़ के कारण पर्चा नहीं बन सका। करीब एक सप्ताह पहले डॉक्टर ने पूनम को सोमवार को बुलाया था। पर उस दिन पर्चा रीविजिट काउंटर पर नहीं बन सका। महिला दर्द से कराहती रही व उसका पति परेशान होकर बार–बार पर्चा काउंटर के चक्कर लगाता रहा। पर्चा नहीं बन पाने पर परिजन महिला को लेकर इमरजेंसी पहुंचे। वहां रात 10:21 बजे टोकन और पर्चा बना, जिसके बाद भर्ती किया गया। इसके बाद उसे लेबर रूम भेजा गया, लेकिन वहां भी व्हीलचेयर या स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था। मजबूरन महिला को बेड पर लिटाकर लेबर रूम ले जाया गया, जहां करीब 1 बजे रात में सामान्य प्रसव हुआ।

इस बीच इमरजेंसी में दर्द से तड़प रही महिला को दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन देने की बात कही गई, लेकिन स्टाफ ने उसके साथ आई भाभी को बाहर भेज दिया और मेडिकल गार्ड उसे वहां से हटाने लगे। महिला का कहना है कि उसे पूरा समय इधर–उधर दौड़ाया गया और कहा गया कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर जाकर शिकायत करें।

कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो यह गलत है। मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत के बाद उन्होंने कर्मचारियों को सख्त चेतावनी दी।

सीलिंग का टुकड़ा गिरा मरीज पर, मरीज सुरक्षित

स्त्री एवं प्रसूति रोग वार्ड में भर्ती एक महिला मरीज के ऊपर छत का सीलिंग टूटकर गिर गया। गनीमत रहा कि सीलिंग हल्की होने की वजह से मरीज को कोई गंभीर चोट नहीं आई। कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने जल्द ही मरम्मत का आश्वासन दिया।

दरवाजे से बच्चे को खींच ले गए थे कुत्ते...

सड़क पर घसीटकर नोचा
नैंसी की दिलेरी ने बचाई जान

कुशीनगर,संवाददाता। हालांकि तब तक उसके शरीर पर 18 जख्म हो चुके थे। मेडिकल कॉलेज में बच्चे का इलाज कराया गया। मंगलवार की शाम घर लौटा अनिक सहमा हुआ है। मूलरूप से देवरिया के तरकुलवा क्षेत्र के फरनहा गांव के रहने वाले विजय सिंह कसया कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर–26 अमिय त्रिपाठी नगर में परिवार के साथ रहते हैं।

कुशीनगर के कसया कस्बे में सोमवार की शाम कुत्तों के झुंड ने सनसनी फैला दी। वार्ड नं. 26 अमिय त्रिपाठी नगर में गेट के बाहर खड़े पांच साल के अनिक को कुत्ते घसीटते हुए सड़क पर खींच ले गए और नोंचने लगे। पड़ोस में रहने वाली नैंसी ने कुत्तों के झुंड के बीच घिरे बच्चे को सीसीटीवी में देखा तो दौड़कर पहुंचीं और उसकी जान बचाई।

हालांकि तब तक उसके शरीर पर 18 जख्म हो चुके थे। मेडिकल कॉलेज में बच्चे का इलाज कराया गया। मंगलवार की शाम घर लौटा अनिक सहमा हुआ है। मूलरूप से देवरिया के तरकुलवा क्षेत्र के फरनहा गांव के रहने वाले विजय सिंह कसया कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर–26 अमिय त्रिपाठी नगर में परिवार के साथ रहते हैं।

विजय ने बताया कि सोमवार की शाम करीब छह बजे उनका पांच साल का बेटा अनिक गेट के बाहर खड़ा था। उसकी मां भीतर कुछ काम कर रही थी। इसी बीच अचानक वहां पांच–छह कुत्ते पहुंच गए। एक कुत्ते ने झपट्टा मारकर अनिक का कपड़ा पकड़ लिया। इस बीच दूसरे कुत्ते ने भी मासूम को अपने जबड़ों में जकड़ लिया।

अनिक दहशत में चिल्लाने लगा और कुत्ते उसे घसीटते हुए सड़क पर दौड़ पड़े। घर से करीब 20 मीटर दूर ले जाकर कुत्ते बच्चे को नोचने लगे। घबराया अनिक जान बचाने के लिए चिल्लाता रहा लेकिन आसपास कोई सुन नहीं रहा था।

संयोग अच्छा था कि इसी बीच विजय के सामने वाले मकान में रहने वाली नैंसी की नजर घर में लगे सीसीटीवी की स्क्रीन पड़ी। उन्होंने कुत्तों के झुंड के बीच घिरे मासूम को देखा तो भागकर बाहर आईं। नैंसी ने कुत्तों को भगाया और अनिक को गोद में उठा लिया। आनन–फानन में अन्य पड़ोसियों की मदद से बच्चे को सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के बाद मंगलवार को बच्चा घर लौटा।

चिड़ियाघर फिर से खुला...शेर– गेंडा देखकर रोमांचित हुए दर्शक– 55 दिनों से था बंद

गोरखपुर,संवाददाता।शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में बर्ड फ्लू के चलते सात मई को बाघिन शक्ति की मौत हो गई थी। 12 मई को राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान, भोपाल से आई रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई थी। इसके बाद 13 मई से ही प्राणि उद्यान दर्शकों के लिए बंद रहा। करीब दो माह बाद मंगलवार को चिड़ियाघर दर्शकों के लिए खुल गया। उमस भरी गर्मी के बीच 996 लोग वन्यजीवों को देखने पहुंचे। शेर और बाघ को देखकर बच्चे रोमांचित हो गए। दर्शकों के आने से पहले चिड़ियाघर प्रशासन ने भी तैयारियां पूरी कर ली थीं। सुबह नौ बजे चिड़ियाघर में प्रवेश शुरू हो गया। पहले दिन दूर–दराज के दर्शक कम आए। टिकट काउंटर के पास बैग चेक करने के बाद ही सभी को अंदर भेजा गया। वन्यजीवों को भी बाड़े में छोड़ा गया लेकिन धूप से बचने के लिए वे छांव में बैठे रहे। शाम के समय बाड़े में उनकी मस्ती देखने को मिली।

शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में बर्ड फ्लू के चलते सात मई को बाघिन शक्ति की मौत हो गई थी। 12 मई को राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान, भोपाल से आई रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई थी। इसके बाद 13 मई से ही प्राणि उद्यान दर्शकों के लिए बंद रहा।

बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अन्य वन्यजीवों के स्वास्थ्य की जांच की। उनके नमूने लिए और जांच के लिए भोपाल व बरेली भेजा। इसी बीच बाघ पटौदी की तबीयत खराब हो गई। मुख्य वनाधिकारी के निर्देश पर उसे कानपुर चिड़ियाघर भेजा गया, जहां एक हफ्ते बाद उसकी मौत हो गई। जांच में उसमें भी बर्ड फ्लू का संक्रमण मिला। इसके बाद कानपुर चिड़ियाघर को भी बंद कर दिया गया।

चिड़ियाघर के उप निदेशक एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि पहले दिन दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। उनके आने से पहले सारी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। सामान की जांच करने के बाद ही प्रवेश दिया गया।

दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री ने बेटे–बहू पर दर्ज कराया केस

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर पश्चिमी निवासी एसबीआई से सेवानिवृत व वर्तमान में कोऑपरेटिव फेडरेशन लखनऊ के उपसभापति (दर्जा प्राप्त मंत्री) रमाशंकर जायसवाल हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दूसरे नंबर का बेटा रोहित जायसवाल गलत संगत एवं नशे का आदी है। कोऑपरेटिव फेडरेशन लखनऊ के उपसभापति (दर्जा प्राप्त मंत्री) रमाशंकर जायसवाल ने सोमवार को बेटे रोहित जायसवाल व बहू वर्धा त्रिपाठी पर केस दर्ज कराया है। आरोप है कि बेटा शराब के नशे में घर का माहौल खराब करता है। विरोध करने पर मारपीट पर उतारू हो जाता है। गोरखनाथ पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, गोरखनाथ थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर पश्चिमी निवासी एसबीआई से सेवानिवृत व वर्तमान में कोऑपरेटिव फेडरेशन लखनऊ के उपसभापति (दर्जा प्राप्त मंत्री) रमाशंकर जायसवाल हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दूसरे नंबर का बेटा रोहित जायसवाल गलत संगत एवं नशे का आदी है। इस कारण आए दिन शराब पीकर घर के सदस्यों के साथ गाली–गलौज व मारपीट करता रहता है। रोहित जायसवाल अपनी पत्नी वर्धा त्रिपाठी के साथ मिलकर उन्हें व घर के अन्य सदस्यों के साथ आए दिन मारपीट भी करता है।

आरोप है कि एक दिन बेटा और बहू ने मारने के लिए दौड़ा लिया। किसी तरह कमरे में बंद कर जान बचाई। आरोप लगाया कि रोहित को घर से जाने के लिए कहने पर हत्या की धमकी दी।

विरासत गलियाराः रजिस्ट्री नही हुई, दुकान की जगह दे रहे मकान का रेट

गोरखपुर में विरासत गलियारा परियोजना के लिए रजिस्ट्री अधूरे दस्तावेजों और मुआवजे की दर पर असंतोष के कारण स्थगित कर दी गई। कई लोग वाणिज्यिक संपत्ति के बजाय आवासीय दर पर मुआवजा मिलने से नाराज थे। तहसील प्रशासन का कहना है कि दस्तावेज पूरे न होने के कारण रजिस्ट्री नहीं हो सकी। किरायेदार दुकानदार सबसे ज्यादा परेशान हैं क्योंकि उनके पुनर्वास पर कोई स्पष्टता नहीं है।

संवाददाता, गोरखपुर। अधूरे दस्तावेजों के कारण मंगलवार को विरासत गलियारा के लिए रजिस्ट्री नहीं हो सकी। तहसील प्रशासन ने रजिस्ट्री कराने का दावा करते हुए 18 प्रभावितों को बुलाया था लेकिन कई लोग दुकान की जमीन अधिगृहीत करने के बाद भी आवास का दर दिए जाने से नाराज दिखे। कई रजिस्ट्री कार्यालय पर रेट की जानकारी के लिए पहुंचे थे। लोगों का कहना है कि यदि वाणिज्यिक की जगह आवासीय दर पर मुआवजा दिया जाएगा तो सबसे ज्यादा नुकसान पांडेयहाता के दुकानदारों को होना तय है। धर्मशाला से पांडेयहाता तक साढ़े तीन किलोमीटर लंबाई और साढ़े 12 किलोमीटर चौड़ाई में विरासत गलियारा का निर्माण होना है। धर्मशाला, हजारीपुर आर्य नगर में कुछ स्थानों पर नाला का निर्माण हो भी रहा है। अब तक लोक निर्माण विभाग ने विरासत गलियारा के दायरे में आ रहे मकान के हिस्से का ही मुआवजा दिया है। जमीन से जुड़े दस्तावेज न मिलने के कारण मुआवजा नहीं दिया गया। इसका नागरिक विरोध कर रहे हैं।

गुजरात में देखते-देखते
ढह गया पुल

गुजरात में पुल गिरा

हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत

अहमदाबाद,एजेंसी। आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाला गंभीरा ब्रिज अचानक ढह गया। इस वजह से वहां से गुजर रहे 4 से अधिक वाहन इसके नीचे आ गए। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है।

इस बीच जिला पंचायत सदस्य हर्षद सिंह परमार की ओर से अगस्त 2022 में इस ब्रिज के संबंध में सरकार को लिखित आवेदन चर्चा में है। इस आवेदन में पुल की जर्जर स्थिति की जानकारी दी गई थी। अगर इस शिकायत पर समय रहते ध्यान दिया जाता तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती थी।

गुजरात के आणंद में आज सुबह गंभीरा ब्रिज ढह गया जिससे वडोदरा और आणंद के बीच का संपर्क टूट गया। इस हादसे में 9 लोगों की जान चली गई। जिला पंचायत सदस्य हर्षद सिंह परमार ने 2022 में पुल की जर्जर हालत के बारे में सरकार को चेतावनी दी थी। उनका आरोप है कि सरकार की लापरवाही से यह हादसा हुआ।

वाराणसी में बाढ़ जैसे हालात
35 घाटों का संपर्क टूटा
10 फीट पीछे हटा
आरती स्थल

गंगा के जलस्तर में बढ़ाव के कारण मंगलवार को 35 घाटों का संपर्क टूट गया। वहीं, इस साल पहली बार गंगा आरती के स्थल में भी बदलाव करना पड़ा। वहीं, मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल भी बदलना पड़ा। केंद्रीय जल आयोग की बाढ़ बुलेटिन के अनुसार गंगा का जलस्तर 63.36 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के 8 दिवसीय विदेश यात्रा पर हैं। पीएम मोदी मंगलवार को रियो डी जनेरियो से ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत शिव तांडव स्तोत्र और भारतीय शास्त्रीय नृत्य से किया गया।

INDIA
ब्रासीलिया पहुंचे
PM मोदी का शिव तांडव
के साथ हुआ स्वागत

मुख्यमंत्री सुक्खू ने आपदा प्रभावित
क्षेत्र बगस्याड़ में नुकसान का लिया जायजा

बिहार बन्द

बिहार बंद
लाइव अपडेट्स

पटना,एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, मतदाता सूची सत्यापन के खिलाफ महागठबंधन ने बुधवार को बिहार में चक्का जाम कर दिया है। पटना में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के सभी बड़े नेता सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला मुख्यालयों पर भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन हो रहा है। राहुल और तेजस्वी पटना में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। वे आयकर चौराहे से वीरचंद पटेल पथ और शहीद स्मारक होते हुए चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकालने की पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

यूपी के 22 पीसीएस को आई एएस काडर में पदोन्नति

लखनऊ,संवाददाता। यूपी 22 पीसीएस अधिकारियों को आईएएस सेवा में पदोन्नत कर दिया गया है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश के नियुक्ति विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। उत्तर प्रदेश के 22 पीसीएस अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) काडर में पदोन्नति दे दी गई है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की अधिसूचना के क्रम में इस संबंध में उत्तर प्रदेश के नियुक्ति विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, सहारनपुर के अपर आयुक्त भानु प्रताप यादव, यूपीएसएसएससी के परीक्षा नियंत्रक विधान जायसवाल, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार सिंह, सिद्धार्थनगर के सीडीओ बलराम सिंह, यीडा के विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र कुमार भाटिया, यूपीपीएससी के उप सचिव देवी प्रसाद पाल, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की सचिव अंजू लता, दिव्यांगजन सशक्तीकरण निदेशालय के संयुक्त निदेशक जयनाथ यादव, अपर निदेशक (प्रशासन) कृषि तथा अपर मेला अधिकारी कुंभ मेला दयानंद प्रसाद को पदोन्नति दी गई है। इसी तरह से यूपीपीएससी के उप सचिव विनोद कुमार गौड़ व विवेक कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक मंडी परिषद सचिन कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व हाथरस बसंत अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वाराणसी वंदिता श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अयोध्या महेंद्र कुमार सिंह,, अपर जिलाधिकारी प्रशासन बिजनौर विनय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मुरादाबाद गुलाब चंद्र, सदस्य वक्फ न्याायधिकरण लखनऊ राम सुरेश वर्मा , अपर जिलाधिकारी प्रशासन गाजियाबाद रण विजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) गौतमबुद्धनगर राजेश कुमार, उप निदेशक मंडी योगेंद्र कुमार और अपर निदेशक चिकित्सा शिक्षा निदेशालय नीलम को भी आईएएस काडर में पदोन्नति दे दे गई है। इन सभी अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ वेतनमान में तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के लिए कहा गया है।

योगी आदित्य नाथ
एक पेड़ माँ के नाम
पौधरोपण
महाभियान

मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में किया पौधरोपण।

37

करोड़ पौधे लगाए जाएंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में सरयू के तट पर पौधरोपण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पौधरोपण अभियान अपनी मां के नाम कृतज्ञता ज्ञापित करने का मौका देता है इसलिए इस अभियान को ''एक पेड़ मां के नाम'' नाम दिया गया है। उन्होंने पौधों के संरक्षण की भी अपील की।

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में पौधरोपण महाभियान–2025 का शुभारंभ हो गया। एक पेड़ मां के नाम थीम पर प्रदेश में 37 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बाराबंकी में पौधरोपण किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में पौधरोपण कर लोगों से पौधों के संरक्षण की अपील की। प्रदेश में दोपहर एक बजे तक 20 करोड़ पौधे लगाए गए। इस मौके पर अयोध्या में अभियान का शुभारंभ करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा का सामना पूरी दुनिया को करना पड़ रहा है। अमेरिका जैसे देश भी इससे सुरक्षित नहीं है। यह अनियोजित विकास का परिणाम है। ऐसे में हमें विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा करनी ही होगी। पौधरोपण अभियान अपनी मां के नाम कृतज्ञता ज्ञापित करने का मौका देता है इसलिए इस अभियान को ''एक पेड़ मां के नाम'' नाम दिया गया है। आज के दिन पौधरोपण कर इनकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा करने के लिए कई तरह की तकनीक विकसित हो चुकी है। इससे पर्यावरण की रक्षा करते हुए विकास भी सुनिश्चित किया जा सकता है। इन दोनों में संतुलन बनाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ पौधे रोपित किए गए हैं। इनमें से 75 फ़ीसदी से ज्यादा पेड़ जीवित हैं। पांच लाख एकड़ क्षेत्र में प्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ा है। अब हम हीट वेव से ग्रीन वेव की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले सीएम योगी ने त्रिवेणी वाटिका में नीम, पीपल और बरगद के पौधे रोपित किए।

पौधों की सुरक्षा के लिए सीएसआर फंड का होगा इस्तेमाल

पौधरोपण के बाद पौधों की सुरक्षा के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फंड का इस्तेमाल होगा। बैंकों और निजी कंपनियों से रोपण क्षेत्रों को गोद लेने और पौधों की सिंचाई व सुरक्षा के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इससे पौधरोपण अभियान तकनीकी नवाचार और सामुदायिक सहयोग के बल पर और भी प्रभावी होने की उम्मीद है।

क्योंकि ने बना दिया इन एक्टर्स का करियर

मुम्बई,एजेंसी। एकता कपूर का क्योंकि सास भी कभी बहू थी आइकॉनिक शो है. शो का अब नया सीजन आने वाला है. एक बार स्मृति ईरानी इस शो में दिखेंगी. शो का फर्स्ट लुक वीडियो सामने आ गया है. इस शो ने कई एक्टर्स की किस्मत बदल दी. आइए जानते हैं उन एक्टर्स के बारे में.

स्मृति ईरानी

स्मृति ईरानी ने इस शो से घर–घर में पहचान बनाई. आज भी लोग उन्हें तुलसी के नाम से जानते हैं. शो में वो लीड रोल में थीं. ये शो 2000 में शुरू हुआ था. इस शो के 1800 से ज्यादा एपिसोड आए थे. शो को रिकॉर्ड रेटिंग मिली थी. उस वक्त 22.4 रेटिंग मिली थी. इस शो के बाद स्मृति ने पॉलिटिक्स की तरफ रुख किया. वो 2014 में मानव संसाधन विकास मंत्री बनी. अब वो एक बार फिर शो में दिखेंगी. खबरें हैं कि वो शो के लिए 14 लाख रुपये प्रति एपिसोड ले रही हैं.

अमर उपाध्याय

अमर उपाध्याय ने1993 में करियर की शुरुआत की थी. लेकिन पहचान 2000 में मिली. इससे पहले वो शोज में एपिसोडिक रोल में दिखे. इस शो में वो लीड रोल में थे. इस शो ने उन्हें बहुत प्यार दिया. शो के बाद वो पॉपुलर शोज कसौटी जिंदगी की, साथिया–प्यार का नया एहसास, विरास, चांद के पार चलो जैसे शोज में दिखे. उन्हें हाल ही में शो डोरी में देखा गया.

मौनी रॉय

एक्ट्रेस मौनी रॉय आज इंडस्ट्री का चमकता सितारा है. उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी से करियर की शुरुआत की थी. उन्होंने शो में कृष्णा तुलसी का रोल प्ले किया था. शो के बाद मौनी ने कई बेहतरीन शोज में काम किया. उन्हें टीवी की ओरिजनल नागिन भी कहा जाता है. वो देवों के देव... महादेव में सति के रोल में दिखी थीं. अब वो फिल्मों में काम कर रही हैं. उन्हें ब्रह्मास्त्र, गोल्ड, मेड इन चाइना जैसी फिल्मों में दिखीं. अब उनके हाथ में दो फिल्में हैं. वों सांत और है जवानी तो इश्क होना है में दिखेंगी.

करिश्मा तन्ना

करिश्मा तन्ना ने भी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से करियर शुरू किया था. इस शो में वो इंदिरा गांधी/ इंदिरा विरानी के रोल में दिखी थीं. शो में वो 2001 से 2005 तक नजर आईं. इस शो ने उन्हें नाम दिलाया. शो के बाद वो कहीं तो मिलेंगे, मंशा, कुसूम, रात होने को है, फियर फैक्टर, आहट, कौन जीतेगा बॉलीवुड का टिकट, कहो ना यार है, बालवीर, बिग बॉस 8 जैसे शोज में दिखे. उन्होंने फिल्मों में भी किस्मत आजमाई. वो संजू जैसी फिल्मों में दिखीं. अब वो ओटीटी वर्ल्ड में काम कर रही हैं.

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैरा असगर की मौत से हड़कंप मच गया है. हुमैरा कराची में अपने किराए के घर में मृत पाई गई थीं. वो वहां अकेले रहती थीं. हुमैरा की फैमिली को पुलिस ने उनकी डेड बॉडी ले जाने के लिए कॉन्टैक्ट किया था. लेकिन हुमैरा के पिता ने बेटी की डेड बॉडी लेने से इनकार कर दिया है. जिसके बाद एक लड़की सामने आई है और उसने कहा है कि वो हुमैरा का अंतिम संस्कार करेंगी. इस लड़की ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके ये बात कही है. सोशल मीडिया पर सेठी लाहौर की एक लड़की मेहर बानो ने दावा किया है कि उसने हुमैरा असगर की बॉडी लेने के लिए क्लेम किया है. वो आज हुमैरा असगर का पूरे तरीके से अंतिम संस्कार करेंगी।

कौन करेगा हुमैरा का अंतिम संस्कार?

प्रियंका चोपड़ा की हुई थी नाक की सर्जरी?

मुम्बई,एजेंसी। प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं. उन्होंने बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है. वे कई हॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में नजर आ चुकी हैं. मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के तुरंत बाद प्रियंका चोपड़ा ने फिल्मों में कदम रखा था. उनकी पहली हिंदी फिल्म अनिल शर्मा की 'हीरो: द लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' थी. इस फिल्म में प्रियंका सनी देओल और प्रीति जिंटा के साथ नजर आई थीं. उसी दौरान, अभिनेत्री को अक्षय कुमार और लारा दत्ता के साथ 'अंदाज' में कास्ट किया गया था. हालांकि, अपने करियर की शुरुआत में ही, नाक के पॉलिप को हटाने के लिए हुई नोज सर्जरी के कारण प्रियंका की नाक का साइज बदल गया. डॉक्टर ने गलती से उनकी नाक के नीचे का हिस्सा काट दिया, जिससे उसका चेहरा ही बदल गया. अब 'अंदाज' के निर्माता सुनील दर्शन ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्होंने प्रियंका को नाक की सर्जरी कराने के लिए कहा था.

प्रियंका चोपड़ा नहीं थीं गुड लुकिंग

हाल ही में मिनट्स ऑफ मसाला के साथ बातचीत में, दर्शन ने बताया कि हालांकि प्रियंका उस समय सुंदरता के पारंपरिक ढांचे में फिट नहीं बैठती थीं, लेकिन वह अन्य कारणों से अलग दिखती थीं. उन्होंने कहा, "वह पारंपरिक रूप से सुंदर नहीं थीं, लेकिन उनकी पर्सनैलिटी काफी इम्प्रेसिव थी और आवाज अट्रैक्टिव थी" उन्होंने आगे कहा कि उन्हें हमेशा उनकी क्षमता पर विश्वास था, तब भी जब अंदाज के सेट पर सब का ध्यान अक्षय और लारा की ओर ज्यादा था.

डायरेक्टर ने प्रियंका को नाक की सर्जरी कराने के लिए कहा था

सुनील दर्शन ने कहा, "अंदाज़ करने से पहले, मैंने उनसे कहा था कि उन्हें अपनी नोज ब्रिज को लेकर कुछ करना चाहिए." जब प्रियंका ने उनकी सलाह मानी तो वह बहुत इम्प्रेस हुए थे. सुनील ने बताया, "वह जानती थीं कि ऐसा होना ज़रूरी है, और उनके माता–पिता बहुत अच्छे डॉक्टर थे. ये कोई समस्या नहीं थी, उन्होंने इसे तुरंत ठीक करवा दिया."प्रियंका ने बाद में कंफर्म किया था कि ये सर्जरी साइनस की प्रॉबल्म से रिलेटेड थी.

हालांकि, उन्होंने यह भी माना था कि ऑपरेशन में गड़बड़ी हुई थी, जिससे उनकी बॉलीवुड में शुरुआत लगभग पटरी से उतर गई थी.

साल 2003 में आई थी अंदाज

साल 2003 में आई फिल्म अंदाज में प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार के अलावा लारा दत्ता भी लीड रोल में थीं. इस फिल्म में पंकज धीर, जॉनी लीवर, माया अलघा सहित कई कलाकारों ने सपोर्टिंग रोल प्ले किये थे. सुनील दर्शन द्वारा निर्मित, यह फिल्म लव ट्रायंगल पर बेस्ड थी. अपने गानों और इमोशनल प्लॉ के साथ, अंदाज़ दर्शकों की फेवरे बन गई और इस फिल्म ने प्रियंका और लारा के करियर को भी ऊंचाई पर पहुंचा दिया था।

एक शर्त की वजह से हेमा मालिनी से नहीं हो सकी संजीव कुमार की शादी

जिन्दगी भर रहे कुंवारे

एंटरटेनमेंट डेस्क। संजीव कुमार का नाम हेमा मालिनी से जोड़ा जाता है। शादी के लिए दोनों के परिवार वाले राजी थे। हालांकि एक शर्त की वजह से दोनों की शादी नहीं हो सकी। आइए जानते हैं पूरा मामला। संजीव कुमार हिंदी सिनेमा के बेहतरीन अभिनेता थे। उन्होंने फिल्मों में कई तरह के रोल निभाए। उन्होंने पर्दे पर तो अपने लाखों दर्शकों का दिल जीता लेकिन उनकी निजी जिंदगी में एक बड़ा दुख रहा। फिल्मों में कई रोमांटिक रोल निभाने वाले संजीव ने कभी शादी नहीं की और वह 47 साल की उम्र में इस दुनिया से अलविदा कह गए। अक्सर लोग उनका रिश्ता हेमा मालिनी से जोड़ते हैं। हलांकि हेमा मालिनी से उनकी शादी नहीं हो सकी।

● एक दूसरे के करीब आए संजीव और हेमा

साल 1972 में हेमा मालिनी और संजीव कुमार ने फिल्म 'सीता और गीता' में एक साथ काम किया था। 'एन एक्टर्स एक्टर' नाम की किताब में हनीफ जावेरी और सुमंत बत्रा ने बताया 'संजीव कुमार और हेमा मालिनी एक दूसरे के तब करीब आए, जब वह 'हवा के साथ–साथ' गाने की शूटिंग कर रहे थे।'

● हादसे से करीब हुए संजीव और हेमा

किताब के मुताबिक वह फिल्म की शूटिंग के दौरान एक हादसे की वजह से करीब आए। शूटिंग के वक्त दोनों एक साथ ट्रॉली पर बैठे थे। ट्रॉली की रस्सी ढीली होकर चट्टान की तरफ मुड़ गई। सड़क अंदर की तरफ मुड़ी हुई थी। ऐसे में दोनों गहरी खाई में गिर गए। दोनों को मामूली चोटें आईं और दोनों बच गए। इस घटना ने दोनों को करीब ला दिया। लोगों का का मानना है कि जब वह जख्मों से उबरे तो उन दोनों के अंदर भावनाएं जगीं।

● एक शर्त की वजह से रिश्ता टूटा

कुछ दिनों बाद संजीव कुमार ने हेमा मालिनी का हाथ मांगने का फैसला किया और उनके घर गए। दोनों के परिवार काफी खुश थे।

क्या लार्ड्स में कपिल–धोनी–कोहली के क्लब में शामिल होंगे गिल? यहां 93 साल में तीन टेस्ट जीता भारत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने लॉर्ड्स के मैदान पर सबसे पहला टेस्ट 1932 में खेला था। अब तक 93 साल में टीम इंडिया ने इस मैदान पर कुल 19 टेस्ट खेले हैं और सिर्फ तीन जीते हैं। 12 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार मिली है और चार टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में गुरुवार से खेला जाएगा। इस टेस्ट की तैयारी को लेकर भारतीय टीम जमकर पसीना बहा रही है। भारत की प्लेइंग–11 में एक बदलाव तय माना जा रहा है। जसप्रीत बुमराह की वापसी होना तय है। वहीं, इस टेस्ट में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाजों से भी काफी उम्मीदें होंगी। लॉर्ड्स में भारतीय टीम का पिछले कुछ दौरों पर रिकॉर्ड शानदार रहा है। 2021 में विराट कोहली की अगुआई में टीम इंडिया ने यहां ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। अब उनके उत्तराधिकारी शुभमन गिल की कप्तानी में भी फैंस जीत की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, अब तक टीम इंडिया ने लॉर्ड्स के मैदान पर सिर्फ तीन टेस्ट ही जीते हैं। इन तीनों टेस्ट में अलग–अलग कप्तान रहे और अलग–अलग खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी

भारत का लॉर्ड्स में रिकॉर्ड

भारत ने लॉर्ड्स के मैदान पर सबसे पहला टेस्ट 1932 में खेला था। अब तक 93 साल में टीम इंडिया ने इस मैदान पर कुल 19 टेस्ट खेले हैं और सिर्फ तीन जीते हैं। 12 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार मिली है और चार टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत ने यहां कपिल देव की कप्तानी में 1986 में पांच विकेट से जीत हासिल की थी, जबकि 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने लॉड्र्स में 95 रन से मैच जीता था। साल 2021 में भारत ने यहां विराट कोहली की कप्तानी में 151 रन से जीत हासिल की थी। अब शुभमन गिल के पास लॉड्र्स में जीत हासिल करने वाले चौथे भारतीय कप्तान बनने का मौका है। गिल की टीम के पास वह पूरा दमखम है, जिससे वह जीत हासिल कर सकते हैं। हाल ही में उनकी टीम ने एजबेस्टन में इतिहास रचा था। भारतीय टीम एजबेस्टन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी और गिल पहले एशियाई कप्तान बने थे। अब वह लॉड्र्स में भी कमाल कर सकते हैं।

कौन रहे प्लेयर ऑफ द मैच?

1986 में जब भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी तो प्लेयर ऑफ द मैच कप्तान कपिल देव ही रहे थे। वहीं, 2014 में तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया था। 2021 में केएल राहुल प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। राहुल मौजूदा टीम का हिस्सा हैं और वह अपने पिछले अनुभव का इस्तेमाल यहां कर सकते हैं। राहुल ने 2021 में यहां पहली पारी में 129 रन बनाए थे। इसके अलावा सिराज से भी इस मैदान पर काफी उम्मीदें होंगी। उन्होंने 2021 में यहां खेलते हुए दोनों पारियों को मिलाकर आठ विकेट झटके थे। पहली और दूसरी, दोनों पारियों में उन्होंने चार–चार विकेट लिए थे। बुमराह को तब यहां पहली पारी में कोई विकेट नहीं मिला था, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने तीन विकेट झटके थे।

तीनों मैच कैसे जीते थे?

2021 में भारत ने इंग्लैंड के सामने चौथी पारी में 272 रन का लक्ष्य रखा था और जवाब में इंग्लिश टीम 120 रन पर ऑलआउट हो गई थी। वहीं, 2014 में धोनी की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 319 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में इंग्लिश टीम 223 रन पर सिमट गई थी। 1986 में इंग्लैंड ने भारत के सामने 134 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कपिल की अगुआई वाली भारतीय टीम ने पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। अब गिल के पास इस ऐतिहासिक लिस्ट में शामिल होने का मौका है।

'गेंद की हालत कभी इतनी खराब होते नहल देखी' गिल के बाद पंत ने की ड्यूक बाल की आलोचना

गिल के
निशाने पर
ब्रैडमैन के रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क। लॉर्ड्स टेस्ट की पूर्व संध्या पर भारतीय टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने ड्यूक बॉल के इस्तेमाल को लेकर बात की। स्टार खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने लाल गेंद को इस हद तक बिगड़ते कभी नहीं देखा। भारतीय टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को ड्यूक बॉल की आलोचना की। विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने लाल गेंद को इस हद तक बिगड़ते कभी नहीं देखा। पंत से पहले कप्तान शुभमन गिल ने भी इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल की जा रही ड्यूक बॉल की गुणवत्ता की आलोचना की थी।

पंत ने की ड्यूक बॉल की आलोचना

लॉर्ड्स टेस्ट से पहले पंत ने ड्यूक बॉल के उपयोग पर बात की और माना कि क्रिकेट के लिए यह अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा– 'गेंदों को मापने का गेज (चाहे ड्यूक हो या कूकाबुरा) एक जैसा होना चाहिए। लेकिन अगर यह छोटा होता तो बेहतर होता (हंसते हुए)। गेंदें बहुत परेशानी दे रही हैं। निश्चित रूप से मुझे लगता है कि यह एक बड़ी समस्या है क्योंकि गेंद का आकार बिगड़ रहा है। गेंद का आकार बहुत अधिक बिगड़ रहा है। मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह खिलाड़ियों के लिए निश्चित रूप से परेशान करने वाला है क्योंकि हर गेंद अलग तरह से खेलती है। जब यह नरम हो जाती है तो कभी–कभी मूवमेंट नहीं मिलती। लेकिन जैसे ही गेंद बदलती है तो पर्याप्त मदद मिलने लगती है। एक बल्लेबाज के तौर पर आपको इसके साथ तालमेल बैठाते रहना होता है। लेकिन साथ ही मुझे लगता है कि यह क्रिकेट के लिए वैसे भी अच्छा नहीं है।'

ड्यूक बॉल का आकार बिगड़ रहा है जिससे इस सीरीज में खिलाड़ी नियमित रूप से अंपायरों के पास जाकर गेंद को बदलने की मांग कर रहे हैं। गेंद के नरम होने के बाद गेंदबाजों को इससे कोई मदद नहीं मिल रही जिससे बल्लेबाज–गेंदबाज मुकाबला मुख्य रूप से नई गेंद तक ही सीमित रह गया है। लाड्र्स में शुरू हो रहे टेस्ट से पहले पंत ने कहा कि गेंद एक बड़ी समस्या बन गई है और यह खेल के लिए अच्छी नहीं है।

पिच को लेकर क्या बोले उपकप्तान?

इस दौरान पंत ने लॉर्ड्स की पिच को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि सतह कैसा व्यवहार करेगी। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, 'हमें जो भी परिस्थिति दी जाए हमें उससे कोई दिक्कत नहीं है। हम इस बारे में नहीं सोचना चाहते कि विरोधी टीम क्या सोच रही है। क्या वे अपनी योजना बदल रहे हैं या नहीं?'

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

सीरीज में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन से शतक तक

गिल के निशाने पर पांच रिकार्ड, लाड्र्स में मचेगा धमाल

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दो मुकाबले खेले जा चुके हैं और सीरीज 1–1 की बराबरी पर है। बाकी बचे तीन मैचों में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम के 'शुभ युग' का आगाज हो चुका है। फिलहाल टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर है और पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है।

लीड्स टेस्ट में मिली हार का बदला लेते हुए भारत ने एजबेस्टन में इंग्लैंड को मात दी और सीरीज में 1–1 की बराबरी की। दूसरे मुकाबले में जीत के साथ कप्तान शुभमन गिल ने तमाम रिकॉड्र्स बनाए। वह पहले एशियाई कप्तान बन गए जिन्होंने एजबेस्टन में इंग्लैंड की बादशाहत खत्म की। अब उनकी नजर लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट पर है।

किसी सीरज में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन

इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में गिल ने तीन शतकीय पारियों जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है, की मदद से 585 रन बना लिए हैं। वह फिलहाल इस सीरीज में रनों के मामले में शीर्ष पर हैं और उनका औसत 146.25 का है। दाएं हाथ के बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के 88 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। दरअसल, ब्रैडमैन के नाम एक सीरीज में बतौर कप्तान सर्वाधिक 810 रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। ऐसा उन्होंने 1936–37 में खेली गई एशेज सीरीज में किया था। अब गिल की नजर उनके इस रिकॉर्ड पर है। वह बतौर कप्तान एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने से सिर्फ 225 रन दूर हैं।

गिल की तरह ब्रैडमैन ने भी बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट में रिकॉड्र्स की झड़ी लगाई थी। उनका सर्वाधिक स्कोर 270 रन था। वहीं, अब तक गिल का सर्वोच्च स्कोर 269 रन है। किसी सीरीज में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1978–79 में 732 रन बनाए थे। गावस्कर के इस रिकॉर्ड को तोड़ने से गिल सिर्फ 148 रन दूर हैं।

किसी सीरीज में सबसे ज्यादा रन

गिल के निशाने पर सर डॉन ब्रैडमैन का एक और रिकॉर्ड है। दरअसल, 1930 में खेली गई एशेज सीरीज में ब्रैडमैन ने सबसे ज्यादा 974 रन बनाए थे। उनके नाम किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के बाकी बचे तीन मुकाबलों में अगर गिल 390 रन और बना लेते हैं तो ब्रैडमैन के इस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे। वहीं, गिल आगामी मुकाबलों में गावस्कर को पीछे छोड़ सकते हैं जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में खेले चार मैचों में 774 रन बनाए थे। गिल अब 189 रन दूर हैं। एशेज सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों में ब्रैडमैन ने 394 रन बनाए थे, लेकिन गिल ने लीड्स और एजबेस्टन टेस्ट में 585 रन बनाकर उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

किसी सीरीज में सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड

गिल अब तक इस सीरीज में तीन शतक लगा चुके हैं, जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है। वह आगामी मुकाबलों में इंग्लैंड के खिलाफ दो शतक और जड़ते ही वेस्टइंडीज के मगान क्लाइड वॉलकॉट के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। वॉलकॉट ने 1955 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में पांच शतक लगाए थे। बतौर कप्तान किसी सीरीज में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रैडमैन के नाम दर्ज है। उन्होंने 1947 में भारत के खिलाफ चार शतक जड़े थे।

बतौर कप्तान सबसे तेज 1000 टेस्ट रन

25 वर्षीय बल्लेबाज के निशाने पर ब्रैडमैन का एक और रिकॉर्ड है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के नाम सबसे कम पारियों में बतौर कप्तान 1000 टेस्ट रन पूरे करने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 11 पारियों में 1000 टेस्ट रन पूरे किए थे। अब गिल उनके इस रिकॉर्ड को ध्वस्त करने से महज 415 रन दूर हैं। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के बाकी बचे तीन मुकाबलों की छह पारियों में वह ब्रैडमैन के इस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर सकते हैं। भारत के लिए बतौर कप्तान टेस्ट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम दर्ज है। उन्होंने 14 पारियों में टेस्ट में 1000 रन पूरे किए थे। इस दौरान उन्होंने पांच शतक लगाए। गिल उनके इस रिकॉर्ड को नौ टेस्ट पारियों में तोड़ सकते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सबसे ज्यादा रन

इंग्लैंड के खिलाफ किसी सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के नाम दर्ज है।

उन्होंने 2024 में खेली गई घरेलू सीरीज में दो दोहरे शतकों की मदद से 712 रन बनाए थे। अब गिल उनके इस रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 127 रन दूर हैं। इंग्लैंड में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा एक सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड राहुल द्रविड़ के नाम है।